CSM – 43/17

Indian Language & Literature in Hindi

Paper – II

Time : 3 hours

Full Marks : 300

The figures in the right-hand margin indicate marks.

Candidates should attempt Q. No. 1 from Section – A and Q. No. 5 from Section – B which are compulsory and any ***three*** *of the remaining questions selecting at least* ***one*** *from each Section.*

Techofworld.In

SECTION – A

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए : 20×3 = 60

(क) 'भ्रमरगीत' के जरिए सूरदास ने किस प्रकार ज्ञान पर भक्ति और प्रीति की विजय दिखाई है, सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

(ख) 'सिंहल द्वीप वर्णन' की प्रमुख विशेषताएँ बताइए ।

(ग) 'श्रद्धा' सर्ग का वैशिष्ट्य प्रतिपादित कीजिए ।

(घ) 'असाध्य वीणा' का मूल भाव स्पष्ट कीजिए ।

2. व्यंग्य और विद्रोह के कवि के रूप में कबीर का विवेचन कीजिए । 60

3. 'कुरुक्षेत्र' में निहित प्रगतिवादी स्वर का आकळन कीजिए । 60

4. एक प्रतीकात्मक काव्य के रूप में 'कामायनी' का मूल्यांकन कीजिए । 60

SECTION – B

Techofworld.In

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 20×3 = 60

(क) उद्देश्य की दृष्टि से 'अन्धेरी नगरी' की आलोचना कीजिए ।

(ख) 'स्कन्दगुप्त' नाटक की ऐतिहासिकता सिद्ध कीजिए ।

(ग) बालकृष्ण भट्ट की निबन्ध-कला का विवेचन कीजिए ।

(घ) "मैला आँचल" में निहित आँचलिक तत्त्वों पर प्रकाश डालिए ।

6. कथा-शिल्प की दृष्टि से 'गोदान' का मूल्यांकन कीजिए । 60

7. 'आषाढ़ का एक दिन' के आधार पर मोहन राकेश की नाट्य-कला का परिचय दीजिए। 60

8. उपन्यास-कला के आधार पर 'महाभोज' की समीक्षा कीजिए। 60

Techofworld.In